सिवनी

शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

शनिवार 9 मई 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 11 ● अंक : 08 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

@ PG 2

न्यूज ब्रीफ

हैदराबाद- रिटायर्ड आईपीएस अफसर की पत्नी की घर में हत्या

हैदराबाद के जुबली हिल्स इलाके के प्रशासन नगर में शुक्रवार रात करीब 2 बजे रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी विनय रंजन राय की पत्नी तनुजा (62) की हत्या कर दी गई। शव इमारत की पहली मंजिल पर मिला। पुलिस के मुताबिक घरेलू नौकर की मदद से एक नेपाली गैंग ने यह वारदात को अंजाम दिया। मामले की जांच जारी है।

कर्नाटक- दावणगेरे में एकेएसआरटीसी बस पलटी

बेंगलुरु। कर्नाटक के दावणगेरे में केएसआरटीसी बस मराबनहल्ली के पास एक्सल फेल होने से पलट गई। यह बस दावणगेरे से बसवापटना जा रही थी। हादसे में एक कॉलेज छात्र दर्शन (21) की मौत हो गई और 30 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 7 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को बसवापटना सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पहली स्वदेशी ग्लाइड वेपन सिस्टम का सफल परीक्षण किया

नईदिल्ली। भारत ने रक्षा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पहली स्वदेशी ग्लाइड वेपन सिस्टम 'तारा' का सफल परीक्षण किया है। डीआरडीओ और भारतीय वायुसेना ने 8 मई 2026 को ओडिशा तट के पास इसका पहला फ्लाइट-ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा किया। तारा एक मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट है। यह भारत की पहली स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली है, जो किसी भी सामान्य हथियार को घातक और सही दिशा में सटीक मार करने वाले हथियार में बदलने में सक्षम है।

दिल्ली में 18 साल के युवक की चाकू मारकर हत्या

नईदिल्ली। दिल्ली के भलस्वा डेयरी थाना इलाके में 18 साल के युवक की चाकू मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। गुरुवार शाम 7.30 बजे हमलावरों ने युवक पर हमला कर दिया। दोस्त घायल अवस्था में अस्पताल लेकर गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

सुवेंदु बंगाल के सीएम अधिकारी

शपथ कल : शाह ने गले लगाया, बोले- ममता राज में अपराधी राजनेता बने

कोलकाता | एजेंसी
rashtrabaan.in

सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक के बाद अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। शाह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी।

ममता जी के शासन में अपराधी राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही। कुछ ही महीनों में ये सब खत्म हो जाएगा। सुवेंदु कल 10 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, शाह समेत एनडीए के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

56 साल के सुवेंदु ने सीएम ममता बनर्जी को भवानीपुर से हराया है। वे नंदीग्राम से भी लगातार दूसरी बार चुनाव जीते। यहां से 2021 में उन्होंने ममता को हराया था। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 207 सीटें जीती हैं।

शाह बोले- पूरे देश से घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे

शाह ने कहा- भाजपा का वादा है कि बंगाल की जनता को कि न सिर्फ बंगाल, पूरे देश से हम एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे। ये ध्रुवीकरण का मुद्दा नहीं है। ये देश की सुरक्षा का मुद्दा है। बंकीम बाबू के परिवार से बहन सुनित्रा चटोप्धाय हमारे साथ जुड़ी हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि वंदे मातरम के 150वें साल में बंकीम बाबू की धरती पर हमें सरकार बनाने का मौका मिला।

शाह ने कहा- बंगाल में भाजपा का झंडा फहराने का सपना पूरा

- **गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार :** 100 साल की वैचारिक यात्रा के बाद गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार बनी है। 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी।
- **बंगाल में भाजपा का झंडा फहराने का सपना पूरा हुआ :** 370 हटी तो देश भर में कार्यकर्ताओं में खुशी थी। लेकिन कई कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी एक कसक बची है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना है। वो भी आज पूरा हो गया।
- **भाजपा के 3 से 207 विधायक हुए :** हमारे विधायकों के जीत का औसत मार्जिन 28 हजार है। 3 से 77 और 77 से 207 की यात्रा अभूतपूर्व है। 9 जिलों में टीएमसी का खाता तक नहीं खुला। दीदी का सूपड़ा साफ हो गया।
- **घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे :** भाजपा का वादा है कि बंगाल की जनता को कि न सिर्फ बंगाल, पूरे देश से हम एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे। ये ध्रुवीकरण का मुद्दा नहीं है। ये देश की सुरक्षा का मुद्दा है।
- **बंगाल की जनता को धन्यवाद :** भाजपा पर भरोसा करके बंगाल की जनता को प्रचंड विजयी देने के लिए धन्यवाद। बंगाल की जनता ने जो अपेक्षाएं रखी हैं, हम पूरी कोशिश करेंगे कि आपके भरोसे को थोड़ा भी ठेस न पहुंचे।

शाह बोले- सुवेंदु दा ने दीदी को उनके घर में हराया

शाह ने कहा- भवानीपुर की जनता का भी बहुत बहुत धन्यवाद। सुवेंदु ने पिछले चुनाव में नंदीग्राम में हराया था। दीदी इस बार तो सुवेंदु दा ने आपको आपके घर में हराया है। भवानीपुर की जनता का दिल से धन्यवाद। इस जीत का महत्व पार्टी के विस्तार तक सीमित नहीं है। इसका महत्व भाजपा-एनडीए का 21वां राज्य हुआ तक सीमित नहीं है। आज बंगाल का विजय अनेक लिहाज से अहम है। 100 साल की वैचारिक यात्रा के बाद गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार बनी है।

एक्टर विजय का तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनना तय

टीवीके को कांग्रेस के बाद सीपीआई और सीपीआई(एम) का समर्थन, वीसीके भी तैयार; बहुमत के 118 विधायक पूरे

चेन्नई | एजेंसी
rashtrabaan.in

तमिलनाडु में एक्टर विजय का मुख्यमंत्री लगभग तय है। उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) को सीपीआई और सीपीआई(एम) ने समर्थन देने की घोषणा कर दी है। सूत्रों का दावा है कि विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) भी विजय को समर्थन देने को तैयार है।

टीवीके ने विधानसभा चुनाव में 108 सीटें जीती हैं। दो सीटों पर विजय जीते हैं। उन्हें एक सीट छोड़नी पड़ेगी। ऐसे में बहुमत के लिए 11 विधायक और चाहिए। कांग्रेस के 5 विधायक पहले ही टीवीके को समर्थन दे चुके हैं। सीपीआई, सीपीआई (एम) और वीसीके के पास 2-2, कुल 6 विधायक हैं। ऐसे में टीवीके को सरकार बनाने के लिए जरूरी 118 विधायकों की संख्या पूरी हो गई है। इस बीच, टीवीके चीफ विजय ने आज लगातार तीसरे दिन राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मिलने का समय मांगा है। इससे पहले 6 और 7 मई को भी वे राज्यपाल से मिले थे।

6 मई को विजय ने आर्लेकर से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया था। लेकिन तब उनके पास सिर्फ 113 विधायकों का समर्थन था। 7 मई को राज्यपाल ने विजय से कहा कि 118 विधायकों का समर्थन दिखाने के बाद भी वे उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे।

टीवीके समर्थकों ने लोकभवन के सामने प्रदर्शन किया

टीवीके को बहुमत नहीं मिलने के केस में डीएमके और एआईडीएमके में गठबंधन के बाद सरकार गठन की अटकलें हैं। टीवीके ने कहा कि अगर दोनों पार्टियों ने सरकार बनाने का दावा पेश किया, तो उसके सभी विधायक इस्तीफा दे देंगे। टीवीके समर्थकों ने शुक्रवार सुबह गवर्नर हाउस (लोकभवन) के सामने प्रदर्शन और नारेबाजी की। पुलिस ने कई समर्थकों को हिरासत में लिया।

अमेरिका ने सीजफायर तोड़कर फिर बमबारी की

ट्रम्प बोले- डील नहीं की तो और हमले करेंगे; होर्मुज में 1500 जहाज फंसे

तेल अवीव | एजेंसी
rashtrabaan.in

अमेरिकी सेना ने ईरान पर फिर बमबारी की है। ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने सीजफायर के बीच यह कार्रवाई की। दरअसल, अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया है। इसके बाद ईरान ने बिना किसी हिचकिचाहट के करारा जवाब देने की चेतावनी दी है।

ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस के मुताबिक खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी सेना ने जास्क के पास ईरानी समुद्री इलाके से होर्मुज स्ट्रेट की ओर जा रहे एक तेल टैंकर को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान डील नहीं करता तो हम फिर हमले करेंगे। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिकी जंगी जहाजों पर हमला किया था।

इसके बाद दोनों देशों के बीच फायरिंग हुई, जिसमें हमने उन्हें बुरी तरह से तबाह कर दिया और उनकी कई छोटी नावों को डुबो दिया। हम उन्हें परमाणु हथियार रखने का अधिकार नहीं देंगे और वे इस बात पर सहमत हो गए हैं।

वहीं, संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी आईएमओ के महासचिव आर्सेनियो डोमिंगेज ने कहा है कि होर्मुज संकट के कारण खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंस गए हैं। इन जहाजों के साथ लगभग 20 हजार नाविक भी फंसे हुए हैं।

30 दिन के अस्थायी समझौते पर बातचीत

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और ईरान 30 दिन तक लड़ाई रोकने और होर्मुज स्ट्रेट खोलने के प्रस्ताव पर चर्चा कर रहे हैं। इसी दौरान स्थायी डील पर बातचीत जारी रहेगी।

- **ट्रम्प- अमेरिकी जहाजों पर हमला हुआ :** राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज से गुजर रहे अमेरिकी जंगी जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले हुए, लेकिन अमेरिकी सेना ने उन्हें मार गिराया और 'ईरानी छोटी नावों को तबाह कर दिया।'
- **होर्मुज में करीब 1500 जहाज फंसे :** संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी के मुताबिक, होर्मुज संकट के कारण खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंसे हुए हैं। तेल, गैस और सप्लाई चेन पर असर बढ़ रहा है, जबकि सोमालिया जैसे देशों में खाद्य संकट और गहरा गया है।
- **इजराइल-हिजबुल्लाह संघर्ष फिर तेज :** इजराइल ने दावा किया कि उसने हिजबुल्लाह की रदवान यूनिट के कमांडर अहमद बलूत समेत कई बड़े कमांडरों को बेरूत हमले में मार गिराया। जवाब में हिजबुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान में इजराइली टैंक और सैन्य ठिकानों पर हमलों का दावा किया।
- **अमेरिका ने नए प्रतिबंध लगाए :** अमेरिका ने ईरान से जुड़े नेटवर्क पर नए प्रतिबंध लगाए। इनमें इराक के डिप्टी ऑयल मिनिस्टर अली मारीज अल-बहादली और कई कंपनियां शामिल हैं।

सम्राट सरकार में पहला लाठीचार्ज, टीआरई-4 कैंडिडेट्स को दौड़ाकर पीटा : महिला अभ्यर्थी को पैर से कुचला

कपड़े उतारकर सड़क पर बैठे प्रदर्शनकारी

पटना | एजेंसी
rashtrabaan.in

पटना में शुक्रवार को टीआरई-4 कैंडिडेट्स पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। कैंडिडेट्स को सड़कों पर दौड़ा-दौड़कर पीटा गया। इस दौरान कई के सिर फटे हैं। महिला कैंडिडेट को पुलिस वालों ने पैरों से कुचला। कैंडिडेट्स ने कहा, हम आने वाले भविष्य के टीचर हैं। ये लोग हमें गुंडा समझ कर पीट रहे हैं। लाठीचार्ज के बाद सड़कों पर कैंडिडेट्स की चप्पलें बिखरी दिखीं। एक कैंडिडेट के कपड़े सीने तक खून से सने थे। लाठीचार्ज के बाद कैंडिडेट्स ने आधे कपड़े उतार दिए और सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। बारिश के बीच अभ्यर्थी सड़क पर डटे हैं। कैंडिडेट्स की मांग है कि सरकार आज ही टीआरई-4 की वैकेंसी जारी करे। आज सुबह 10 बजे कैंडिडेट्स वैकेंसी जारी करने की मांग को लेकर पटना कॉलेज से निकले थे। अभ्यर्थी बीपीएससी ऑफिस तक मार्च निकाल रहे थे।

पुलिस ने जेपी गोलंबर पर सभी को बैरिकेडिंग कर के रोका था। इसके बाद लाठीचार्ज किया गया। इस प्रदर्शन में करीब 5 हजार कैंडिडेट्स शामिल हैं।

मंत्री शाह को ऐसे कमेंट्स की आदत : सुप्रीम कोर्ट

कर्नल सोफिया मामले में एमपी सरकार को फटकार, कहा- बहुत हुआ, आदेश का पालन करें

भोपाल | एजेंसी
rashtrabaan.in

सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अभियोजन स्वीकृति देने में हो रही देरी पर राज्य सरकार को फटकार लगाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कड़े शब्दों में कहा- 'Enough is enough (बस बहुत हुआ), अब हमारे आदेश का पालन कीजिए।'

कोर्ट ने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था

सुनवाई के दौरान जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि शायद उनके बयान को गलत समझा गया और वे महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे तो सीजेआई सूर्यकांत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। एक राजनेता के तौर पर उन्हें अच्छी तरह पता है कि किसी महिला अधिकारी की प्रशंसा कैसे की जाती है। कोर्ट ने स्हुझ्ञ की स्टेटस रिपोर्ट का हवाला देते हुए टिप्पणी की कि मंत्री को इस तरह के कमेंट करने की आदत है।

इंदौर के पास रायकुंडा गांव में दिया था बयान

यह विवाद पिछले साल भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ की गई क्रॉस-बॉर्डर सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुआ था। कर्नल सोफिया कुरैशी ने इस ऑपरेशन की मीडिया ब्रीफिंग की थी। इसके बाद महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजय शाह ने कहा था, 'जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा किया, हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी ही एक बहन को भेजा।' इस बयान को कर्नल कुरैशी के धर्म से जोड़कर देखा गया, जिसकी हर तरफ निंदा हुई।

अब तक 3 की मौत; डॉक्टर बोले- यह कोरोना की तरह तेजी से नहीं फैलता

जिस जहाज पर हंतावायरस फैला, उस पर 2 भारतीय

प्राया | एजेंसी
rashtrabaan.in

अटलांटिक महासागर में क्रूज शिप एमवी होंडियस पर 2 भारतीय नागरिक शामिल है। यह वही शिप हैं, जिस पर हंतावायरस फैला है। एजेंसी के मुताबिक अब तक जहाज पर हंतावायरस संक्रमण के पांच मामलों की पुष्टि हुई है और 3 लोगों की मौत हो चुकी है।

वहीं, नीदरलैंड की लीडेन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में भर्ती हंतावायरस मरीज का इलाज कर रहीं डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा कि यह वायरस कोरोना जैसा नहीं है। उन्होंने एएफपी से बातचीत में कहा कि हंतावायरस का इंसान से इंसान में फैलना आसान नहीं है। इसका ट्रांसमिशन कोरोना की तुलना में काफी मुश्किल है। डच फ्लैग वाला यह जहाज स्पेन जा रहा है। यह 10 मई तक स्पेन के कैनरी आइलैंड तक पहुंच सकता है, जहां जहाज पर मौजूद सभी यात्रियों की जांच होगी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि घटना गंभीर है, लेकिन फिलहाल आम लोगों के लिए खतरा कम माना जा रहा है।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक हंतावायरस से हुई तीन मौत के मामलों में एंडीज स्ट्रेन का शक है, जो इंसानों के बीच भी फैल सकता है। एंडीज स्ट्रेन मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका के अर्जेंटीना और चिली में पाया जाता है।

मरीजों को आइसोलेशन में रखा जा रहा

डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा, ऐसे मामलों में संक्रमित मरीजों को अलग आइसोलेशन रूम में रखा जाता है। ट्रेंड स्टाफ उनकी देखभाल करता है। मरीजों को तब तक आइसोलेशन में रखा जाता है, जब तक उनमें लक्षण दिखाई देते हैं। हालत सुधरने के बाद उनका टेस्ट किया जाता है। अगर रिपोर्ट नेगेटिव आती है तो आइसोलेशन हटाया जा सकता है। हार्वर्ड के प्रोफेसर एलन ने बताया कि हंतावायरस से संक्रमित लोगों को 40 दिनों के लिए क्वारंटाइन में रखा गया है, क्योंकि इसका इन्क्यूबेशन पीरियड लंबा होता है। शरीर में वायरस के घुसने से लेकर पहले लक्षण दिखने के बीच के समय को इन्क्यूबेशन पीरियड कहते है। डॉक्टर के मुताबिक, अभी यह साफ नहीं है कि वायरस किसी व्यक्ति के शरीर में कब तक रह सकता है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस एडनॉम गेब्रेसियस ने कहा कि हंतावायरस का इंक्यूबेशन पीरियड छह हफ्ते तक हो सकता है।

मप्र और यूपी में आंधी-बारिश से 10 डिग्री तक घटा तापमान : जैसलमेर में पारा 45 डिग्री पार

नांदेड़ में दोपहर में कोचिंग बंद रखने का आदेश

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

उत्तर प्रदेश, पाकिस्तान से सटे राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड और गंगा से सटे बंगाल के इलाकों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है। दक्षिण में केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के कई जिलों में भी अगले 7 दिन तक भारी बारिश होगी।

शुक्रवार को एमपी में आंधी बारिश के बाद तापमान 34डिग्री तक पहुंच गया। यूपी में भी बारिश से राहत रही। 7 दिन पहले जिस बांदा में तापमान 47.6डिग्री था, वह 7 मई को 38डिग्री तक पहुंच गया। हालांकि, गुजरात और महाराष्ट्र में गर्मी और उमस वाला मौसम बना हुआ है। गुजरात का राजकोट देश में सबसे गर्म रहा, यहां का तापमान 42.9डिग्री दर्ज किया गया।

महाराष्ट्र के नांदेड़ जिला प्रशासन ने निजी कोचिंग संस्थानों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच क्लासेस रोकने को कहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि क्लासेस सुबह-शाम या ऑनलाइन/डिजिटली लगाई जाएं।

उत्तराखंड में आज भी बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। केदारनाथ में भी गुरुवार को ताजा बर्फबारी हुई।

रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक-दूसरे को दें वक्त

एक-दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खटास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक-दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक- दूसरे के साथ समय बिताएं।

कुछ इस तरह सेट करें मंथली बजट

हर व्यक्ति अपनी पसंद व स्किल्स के अनुसार ही काम का चयन करता है और इसलिए हर किसी का काम व इनकम अलग होती है। जहां कुछ लोग 9 से 5 की जॉब करते हैं और उनकी फिक्स सैलरी होती है। वहीं कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो किसी जॉब में नहीं होती। बल्कि उनका काम कुछ ऐसा होता है कि उनकी इनकम ऊपर-नीचे होती रहती है। मसलन, अगर आपका अपना कोई काम है, तो आप महीने में होने वाली आमदनी को सुनिश्चित नहीं कर सकते। इसी तरह, अगर आप बतौर फ्रीलांसर फुल टाइम वर्क करते हैं, तो आपकी आमदनी आपको मिलने वाले प्रोजेक्ट्स पर निर्भर करेगी।

इस तरह के कामों में आमदनी कभी बहुत अधिक तो कभी बहुत ही कम होती है। इस तरह सैलरी फिक्स ना होने का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि आपके लिए घर का खर्च उठाना कभी-कभी मुश्किल हो सकता है। चूंकि, आपकी आमदनी फिक्स नहीं है तो उसके अनुसार आप अपनी सैलरी को सही तरह से मैनेज नहीं कर सकती हैं। अगर ऐसा है, तो ऐसे में आप अपना मंथली बजट सेट करने के लिए इन आसान टिप्स की मदद लें

अनुमानित आय का करे आकलन

यह सच है कि आपकी कोई फिक्स इनकम नहीं है, लेकिन फिर भी आप खुद को मिलने वाले काम के अनुसार अपनी आय का एक अनुमान तो लगा ही सकती हैं। अगर आपकी आय ऊपर-नीचे होती भी होगी, तो उसमें पांच-दस हजार का अंतर आता होगा। इसलिए, आप पिछले एक वर्ष की आय का अंदाजा लगाते हुए यह जानने का प्रयास करें कि आपकी महीने में लगभग कितनी इनकम होती है। जब आप अपनी आय का आकलन करेंगी, तभी आप बजट सेट कर सकती हैं।

जरूरी खर्चों की बनाएं लिस्ट

अब वक्त है जरूरी खर्चों की लिस्ट तैयार करने का। मसलन, बच्चों की फीस से लेकर ईएमआई, घर का किराया व बिजली बिल आदि जरूरी खर्चों की एक लिस्ट तैयार करें। इससे आपके लिए यह समझना आसान हो जाएगा कि वास्तव में कितने खर्चे ऐसे हैं, जो आपको हर महीने करने ही होंगे और उसके अनुसार आपकी इनकम कितनी है।

निकालें सेविंग्स का एक हिस्सा

जब आप जरूरी खर्चों व इनकम के बीच के अंतर के बारे में जान जाते हैं, तो आपको बची हुई इनकम का एक हिस्सा सेविंग्स के लिए निकालना होगा। आपके द्वारा की गई सेविंग्स आपकी इनकम के आधार पर कम या ज्यादा हो सकती है। लेकिन आप सेविंग की आदत को कभी भी ना छोड़ें। चूंकि आपकी इनकम कभी भी एक जैसी नहीं रहती है और इसलिए आपके लिए सेविंग्स करना बेहद आवश्यक हो जाता है।

बनाएं इमरजेंसी मनी बैंक

यह इमरजेंसी मनी बैंक उस वक्त के लिए बनाना आपके लिए आवश्यक है, जब आपकी इनकम बहुत कम हो जाती है और आपके लिए अपनी आय से जरूरी खर्चों को कर पाना भी काफी मुश्किल हो जाता है। उस वक्त यह इमरजेंसी मनी बैंक काम आता है। अगर इस वक्त आपका काम अच्छा चल रहा है, तो इसका अर्थ यह नहीं है कि आप बेफिजूल खर्चों में पैसों को बर्बाद कर दें। आपको अपना मंथली बजट यूं सेट करना चाहिए कि आप अपनी इनकम का एक हिस्सा एंटरटेनमेंट के लिए तो एक हिस्सा इमरजेंसी मनी बैंक के लिए रखें। यह छोटा सा मनी बैंक आप खुद घर में ही बना सकते हैं या फिर ऐसे किसी स्कीम में इनवेस्ट कर सकते हैं, जहां पर आपके पैसे धीरे-धीरे कुछ हद तक बढ़ते रहें और जब भी आपको उसकी जरूरत हो, आप उसे निकाल सकें।

ऐप की लें मदद

यह मंथली बजट बनाने का सबसे आसान लेकिन प्रभावी तरीका है। आजकल ऐसे कई ऐप हैं, जिन्हें आप अपने फोन में इंस्टॉल कर सकते हैं। इसके बाद, आप उसमें हर माह की आय लिख सकती हैं और मंथली बजट लिमिट एड कर सकती हैं। उसके बाद आप हर दिन होने वाले खर्चों को उसमें एड करती जाएं। इससे आपको यह समझ में आएगा कि आप सबसे अधिक खर्चा कहां कर रही हैं और क्या आप अपने मंथली बजट के अनुसार खर्च कर रही हैं। इस तरह आपके लिए बजट में रहना आसान होगा और अपनी आय व खर्चों को ट्रैक करने में भी आपको मदद मिलेगी।

घर-परिवार की जरूरतों और भविष्य को देखते हुए बचत बहुत जरूरी

महिलाएं चाहती हैं कि घर परिवार में संपन्नता रहे, परिवार के सदस्यों को रुपये-पैसे की कमी ना आए, इसके लिए महिलाएं अपनी खर्चों में भी काफी कटौती करती हैं। इसके बावजूद अक्सर ऐसा होता है कि महीने के आखिर तक आते-आते पैसे खत्म हो जाते हैं और सेविंग्स भी नहीं हो पाती। घर-परिवार की इमरजेंसी की जरूरतों और भविष्य को देखते हुए महिलाओं के लिए बचत करना बहुत जरूरी है।

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके खर्च बहुत ज्यादा हैं और इसी वजह से आपकी सेविंग्स नहीं हो पातीं, तो आपको नए नजरिए से सोचने की जरूरत है। आपकी आमदनी चाहें भले ही कम क्यों ना हो, अगर आप घर का बजट सही तरीके से बनाएं, तो आप थोड़ी-थोड़ी सेविंग्स करके भी बड़ी बचत कर सकती हैं। आइए जानते हैं महीने का बजट बनाने के कुछ ऐसे तरीके, जिनसे आपका घर का फाइनेंस अच्छे तरीके से मैनेज होगा, जरूरी खर्चों के लिए पैसे रहेंगे और आप सेविंग्स करने में भी कामयाब होंगी।

- बजट बनाने में सबसे पहले अपने बड़े और जरूरी खर्चों की लिस्ट बना लें, जैसे मकान का किराया, बिजली का बिल, बच्चों की स्कूल फीस, ट्यूशन फीस, घर का राशन, होम लोन की ईएमआई, क्रेडिट कार्ड का बकाया आदि।
- बजट बनाने में खाने-पीने की चीजों पर कटौती नहीं करें। अगर आप अनाज जैसे कि दाल, गेंहू, चावल, मसाले आदि थोक की दुकान से खरीदेंगी तो पैसे की बचत के साथ-साथ अच्छी क्वालिटी का सामान भी खरीद सकती हैं। मुमकिन हो तो सुपर मार्केट के बजाय लोकल मार्केट से ही अच्छा सामान खोजने की कोशिश करें। साथ ही मॉल में छोड़े-बड़े सामान पर मिलने वाले ऑफर और सेल का भी आप फायदा उठा सकती हैं।
- घर का बजट बनाते हुए उसमें अपने, अपने परिवार के बड़ों और बच्चों के खर्च जरूर शामिल करें। आप चाहें तो उनसे इस बारे में एक बार बात भी करें और उसी के आधार पर सबके लिए बजट निर्धारित कर लें।
- बिजली और गैस का यूज जरूरत के हिसाब से करें। ऐसा इसलिए क्योंकि छोटी-छोटी बचत भी आपके लिए अच्छी सेविंग्स का साधन बन सकती है, बजट को और मजबूत बना सकती हैं।
- बजट बनाते समय अपनी इनकम और खर्चे का रिकार्ड साथ में रखें, क्योंकि इसी के आधार पर आप सेविंग्स के लिए अपना टार्गेट सेट कर सकती हैं और एक अच्छा बजट बना सकती हैं। इसके लिये एक निर्धारित फॉर्मेट बना लें और उस पर अपनी इनकम और होने वाले खर्चों को उसमें जोड़ते जाएं।
- अपनी पसंद वाली छोटी और बड़ी चीजों की एक लिस्ट अलग से बनायें, जिन चीजों की जरूरत ज्यादा है, उन्हें प्रायोरिटी पर रखें। कभी-कभी मजे-मजे में अनावश्यक फिजूलखर्ची भी हो जाती है और इसके बाद में परेशानी होती है। इसे देखते हुए जब भी पार्टी करने जाएं या आउटिंग पर जाएं तो उसके लिए अपने खर्च की लिमिट पहले से ही सोच लें।
- बजट को बोझ समझकर मन छोटा ना करें। शुरुआत में आपको इससे प्रेशर फील हो सकती है, लेकिन इससे होने वाली बचत से आपको बाद में बड़े फायदे हो सकते हैं।
- बजट बनाने से आप अपने खर्चों पर असरदार तरीके से काबू रख सकती हैं और फाइनेंशियली मजबूत हो सकती हैं।
- बजट बनाते हुए अलग-अलग खर्चों के लिए अलग लिफाफे रखें, ताकि फाइनेंस के मामले में आप पूरी तरह से ऑर्गेनाइज रहें। इससे आपको महीनेभर खर्च की चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।
- इमरजेंसी की जरूरतों के लिए एक लिफाफा अलग से बनाएं और इसमें भी कुछ रुपये अलग से रखें, क्योंकि इमरजेंसी सिचुएशन कभी भी आ सकती है और इससे आपका महीने का बजट पूरी तरह से बिगड़ सकती है।

शादी के बाद आ रही है मायके की याद तो अपनाएं ये उपाय

शादी के बाद लड़की की जिन्दगी काफी हद तक बदल जाती है। वह अपने पति के साथ सात फेरे लेने के बाद उन्हीं के घर में रहने लग जाती है। यह एक ऐसा दौर होता है, जब एक स्त्री को नए रिश्तों और नए परिवार के साथ तालमेल बिठाना होता है। हालांकि, पूरी तरह से नए व अनजान लोगों के बीच अक्सर लड़की को अपने माता-पिता, भाई-बहन व घर की याद सताती है। शादी के शुरूआती दिनों में अक्सर लड़कियां होम सिक फील करती हैं और ऐसे में वह बार-बार अपने मायके जाने की इच्छा रखती हैं। हालांकि, हर दिन ऐसा करना संभव नहीं है। तो ऐसे में अब आपको कुछ ऐसे तरीके अपनाने की जरूरत है, जिसके कारण आपको अपने मायके की याद कम से कम आए और आपके लिए अपने नए घर में मन लगाना अधिक आसान हो जाए।

वीडियो कॉल पर करें बात

हो सकता है कि शादी के शुरूआती दिनों में आपका बार-बार मायके जाना शायद आपके ससुराल पक्ष के लोगों को पसंद ना आए। चूंकि, अब आपको हर किसी की खुशी का ख्याल रखना होता है, तो ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप वीडियो कॉल पर अपनी फैमिली से बात करें। जब आप उनसे वीडियो कॉल पर बात करेंगी तो आपको ऐसा लगेगा कि वह आपके साथ ही हैं। इससे आपके लिए उनकी याद कम सताएगी।

मंगवाए फेवरिट फूड

हम सभी को अपनी मम्मी के हाथों का बना कोई ना कोई फूड आइटम खाना बेहद पसंद होता है। मसलन, मां के हाथ के लड्डू या नमकपारों का स्वाद अगर आपको हमेशा से ही अच्छा लगता है, तो आप मम्मी से कह सकती हैं कि वह आपके लिए इसे बनाकर भेजें। जब वह आपकी फेवरिट आइटम आपको भिजवाएंगी तो आप ससुराल में होते हुए भी उनकी या उनके खाने को मिस नहीं करेंगी। इस तरह आप उनसे दूर होते हुए भी उनके साथ को महसूस कर पाएंगी।

ना रहें अकेली

यह देखने में आता है कि शादी के बाद शुरूआती दिनों में विवाहित स्त्री अपना अधिकतर समय अपने कमरे में ही बिताती है। चूंकि इस समय पर उस पर घर की बहुत अधिक जिम्मेदारियां नहीं होती हैं और वहीं वह नए लोगों के साथ बहुत अधिक कंफर्टेबल नहीं होती है, इसलिए वह कमरे में रहना ही अधिक पसंद करती है। लेकिन अगर आप ऐसा करती हैं, तो इससे आपको अपने मायके की याद और भी अधिक सताएगी। इसलिए कोशिश करें कि आप कमरे में अकेले रहने के स्थान पर अपने ससुराल पक्ष के लोग जैसे सास या ननद के साथ अधिक से अधिक वक्त बिताने की कोशिश करें जब आप ऐसा करती हैं, तो आपको नए लोगों के साथ तालमेल बिठाने में आसानी होती है और उनके साथ रिश्ते मजबूत होते हैं। जब ऐसा होता है, तो आपको मायके की याद कम सताती है।

मिल आएं कुछ देर

अगर आपका मायका पास में ही है और आपके लिए एक-दो घंटे के लिए वहां जाना संभव है, तो ऐसे में आप अपने पति के साथ मायके में कुछ देर के लिए जा सकती है। अपनों से मिलने की खुशी कुछ और ही होती है। भले ही आप उनसे एक घंटे के लिए मिलने जाएंगी, लेकिन परिवार के हर सदस्य को देखकर और उनके साथ वक्त बिताकर आपको काफी अच्छा लगेगा।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 9 मई 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

बालाघाट में केवाईसी कराने निकली महिला एक महीने से लापता

पति ने पुलिस अधीक्षक से की शिकायत, कोतवाली पुलिस पर लापरवाही का आरोप

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट नगर के गंगानगर क्षेत्र से एक महिला के लापता होने का मामला सामने आया है। महिला का नाम बरखा बताया गया है, जो 5 अप्रैल से लापता हैं। उनके पति विजय मलघाटी ने पत्नी की तलाश के लिए पुलिस अधीक्षक से मदद की मांग की है।

बैंक के लिए निकली थीं महिला

विजय मलघाटी के अनुसार, उन्होंने 5 अप्रैल को अपनी पत्नी बरखा को यूनियन बैंक में खाते की केवाईसी कराने के लिए छोड़ा था। वहां काम नहीं होने पर बरखा ने साई कैफे जाने की बात कही। बताया गया कि साई कैफे में भी काम नहीं होने के बाद वह पोस्ट ऑफिस जाने के लिए निकलीं, लेकिन इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल पाया।

• पत्नी बरखा को यूनियन बैंक में खाते की केवाईसी कराने के लिए छोड़ा था। वहां काम नहीं होने पर बरखा ने साई कैफे जाने की बात कही।

बच्चों के लिए मां को वापस लाने की अपील

विजय ने कहा कि उनके 12 और 7 साल के छोटे बच्चे हैं, जो अपनी मां के बिना परेशान हैं। उन्होंने पुलिस से जल्द पत्नी को ढूंढकर वापस लाने की अपील की है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने लापता महिला बरखा की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

पति ने पुलिस पर लगाया लापरवाही का आरोप

शुक्रवार को विजय मलघाटी पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और पत्नी की तलाश की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि कोतवाली पुलिस को शिकायत देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

बम्हनी पंचायत में 'लाटसाहब' बने सचिव

मर्जी से आते हैं, मर्जी से जाते हैं; विकास कार्य ठप, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

लालबर्रा | संवाददाता
rashtrabaan.in

बसंत चौरे, सचिव ग्राम पंचायत बम्हनी : मनमर्जी के मालिक।

सरकार एक ओर ग्राम स्वराज और अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं को पहुँचाने का दम भर रही है, वहीं लालबर्रा जनपद पंचायत के तहत आने वाली ग्राम पंचायत बम्हनी में सरकारी तंत्र को ठेंगा दिखाया जा रहा है। यहाँ के सचिव बसंत चौरे ने पंचायत को अपनी निजी जागीर समझ लिया है। मुख्यालय में रहने के सरकारी आदेशों को धता बताकर सचिव महोदय 30 किलोमीटर दूर बालाघाट से अपनी सुविधा अनुसार ड्यूटी कर रहे हैं। नतीजा यह है कि ग्रामीण अपने छोटे-छोटे कामों के लिए पंचायत भवन के चक्कर काटकर थक चुके हैं, लेकिन 'साहब' के दर्शन दुर्लभ हैं।

शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि पंचायत सचिव को ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ही निवास करना अनिवार्य है ताकि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के लिए भटकना न पड़े। यदि विशेष परिस्थिति में मुख्यालय छोड़ना भी हो, तो मुख्य कार्यपालन अधिकारी से लिखित अनुमति लेनी होती है। लेकिन बम्हनी पंचायत में नियम सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। सचिव बसंत चौरे ने नियमों को ताक पर रखते हुए बालाघाट को अपना ठिकाना बना लिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वे अपनी मर्जी के मालिक हैं, जब मन हुआ तब पंचायत की हाजिरी लगाई, वरना कई-कई दिनों तक पंचायत भवन में ताला लटका रहता है या सचिव की कुर्सी खाली मिलती है।

विकास कार्यों और वित्तीय पहियों पर लगा ब्रेक

कार्यालय ग्राम पंचायत बम्हनी : बंद दरवाजे ने तोड़ी सरकारी योजना की कमर।

सचिव की इस 'मनमर्जी' का सबसे बुरा असर ग्राम पंचायत के विकास कार्यों पर पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार, पंचायत के वित्तीय लेन-देन, मस्टर रोल का भुगतान और महत्वपूर्ण जनहितैषी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी तरह से ठप पड़ा है। ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से लेकर वृद्धावस्था पेंशन जैसे जरूरी कागजी कामों के लिए उन्हें हफ़्तों इंतज़ार करना पड़ता है। सचिव की अनुपस्थिति के कारण सरपंच और अन्य पंच भी असहाय महसूस कर रहे हैं, जिससे पूरी पंचायत व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है।

30 किलोमीटर की दूरी और ग्रामीणों की मजबूरी

बम्हनी से बालाघाट की दूरी लगभग 30 किलोमीटर है। सचिव का रोजाना वहां से आना-जाना न केवल नियमों के विरुद्ध है, बल्कि उनकी कार्यक्षमता पर भी सवाल खड़ा करता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सचिव क्षेत्र में रहेंगे ही नहीं, तो उन्हें गाँव की समस्याओं का पता कैसे चलेगा? जब साहब आते ही नहीं, तो हम अपनी बात किसके सामने रखें? बालाघाट जाकर उनसे मिलना हमारे लिए संभव नहीं है, यह दर्द बम्हनी के उन दर्जनों ग्रामीणों का है जो हर दिन पंचायत के चक्कर काट रहे हैं।

बर्खास्तगी की मांग और बढ़ता आक्रोश

इस अव्यवस्था को लेकर अब ग्रामीणों का सब्र का बांध टूटता नजर आ रहा है। गाँव के युवाओं और बुजुर्गों ने एक स्वर में ऐसे लापरवाह सचिव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही बरतने वाले सचिव बसंत चौरे को तत्काल प्रभाव से पद से पृथक (बर्खास्त) किया जाए। सवाल यह है कि क्या वरिष्ठ अधिकारियों को इस मनमर्जी की खबर नहीं है? या फिर जानबूझकर इस ओर से आंखें मूंद ली गई हैं? मुख्यालय से गायब रहने की यह प्रवृत्ति भ्रष्टाचार और कामचोरी को बढ़ावा दे रही है, जिसका खामियाजा सिर्फ और सिर्फ गरीब ग्रामीण भुगत रहे हैं।

बालाघाट में फांसी पर मिला नवविवाहिता का शव

परिजनों ने पति पर लगाया हत्या का आरोप; चाचा बोले-शराब पीकर पीटता था

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट के वारासिवनी थाना क्षेत्र के चंदोरी में शुक्रवार नवविवाहिता का शव फांसी पर मिला। जानकारी मिलते ही एसडीओपी अभिषेक चौधरी, थाना प्रभारी पवन यादव और बालाघाट से पहुंची एफएसएल टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी भिजवा दिया गया। मामला नवविवाहिता की मौत से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। मृतिका अनेश्वरी के मायके पक्ष के परिजनों ने उसके पति राकेश सोनवाने पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का आरोप है कि पति ने ही अनेश्वरी के साथ मारपीट कर उसे फांसी पर लटका दिया।

पति बोला-पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

पति राकेश सोनवाने ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। उसने ही पत्नी को फांसी पर लटका देखने के बाद फंदे को काटकर नीचे उतारा था।

चाचा बोले-पति शराब पीकर पीटता था

मृतिका के चाचा पूरनलाल कोहरे ने बताया कि अनेश्वरी का विवाह राकेश से साल 2021 में हुआ था। शादी के कुछ समय बाद तक दोनों के संबंध अच्छे रहे, लेकिन बाद में पति की मारपीट के कारण अनेश्वरी परेशान रहने लगी थी। पति के शराब पीकर आने और मारपीट करने के कारण कई बार सामाजिक और पंचायत स्तर पर बैठकें भी हुई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि भतीजी के साथ मारपीट कर उसके पति ने उसकी हत्या की और फिर आत्महत्या दिखाने के लिए उसे फांसी पर लटका दिया। एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। मामले में जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हृदय रोग शिविर का सफल आयोजन, कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

• 93 बच्चों की हुई ईको जांच, 19 बच्चों का सर्जरी हेतु चयन

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के तहत गुरुवार 08 मई 2026 को डीईआईसी जिला चिकित्सालय बालाघाट में जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के लिए विशेष हृदय रोग शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर का कलेक्टर मृणाल मीना ने औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य अमले को आवश्यक निर्देश दिए।

यह शिविर जन्म से 18 वर्ष तक के हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के लिए आयोजित किया गया था। शिविर में जबलपुर से आए शिशु हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ के. एल. उमा माहेश्वर, मुंबई नारायण अस्पताल से डॉ प्रिया प्रधान एवं गैलेक्सी अस्पताल से डॉ इशरत अहमद ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा कुल 93 बच्चों की ईको जांच की गई।

सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने बताया कि बालाघाट जिले के सात विकासखंडों से चिन्हित लगभग 93 बच्चों को शिविर में बुलाया गया था। जांच उपरांत 19 बच्चों का सर्जरी हेतु चयन किया गया।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में समाजशास्त्र शोध केन्द्र हेतु निरीक्षण

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय के आदेश के परिपालन में शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में समाजशास्त्र विषय में शोध केन्द्र स्थापित किये जाने के संबंध में गुरुवार को निरीक्षण दल द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. एस.एस. ठाकुर एवं प्रो. रूचि घोष विषय विशेषज्ञ के रूप में शामिल रहे।

निरीक्षण के दौरान दल द्वारा महाविद्यालय की लाइब्रेरी में समाजशास्त्र विषय से संबंधित ऑफलाइन एवं ऑनलाइन पुस्तकों की जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही महाविद्यालय स्थित प्रस्तावित शोध केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं का भी विस्तृत अवलोकन किया गया। इस अवसर पर निरीक्षण दल ने एम.ए. समाजशास्त्र द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं से संवाद करते हुए शोध केन्द्र के महत्व पर प्रकाश डाला तथा छात्राओं को शोध कार्य के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. स्वाति खोब्रागड़े, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमार मासुलकर तथा समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष सचिन्द्र कुमार पटलिया सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

1928 किसानों से 49 हजार 567 क्विंटल गेहूँ की हुई खरीदी

बालाघाट। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले में कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य किया जा रहा हैं। चालू सीजन में जिले के 1928 किसानों से 49 हजार 567 क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को 04 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक की राशि का भुगतान कर दिया गया है।

जिला आपूर्ति अधिकारी आर के ठाकुर ने बताया कि बालाघाट जिले में किसानो से समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी के लिए 13 केंद्र बनाये गए है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय के लिए जिले के 4388 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। इनमें से 2908 किसानों ने गेहूं विक्रय के लिए अपना स्लाट बुक करा चुके है। 08 मई तक जिले के 1928 किसानों से 13 करोड 01 लाख 13 हजार 375 रुपए के 49 हजार 567 क्विंटल गेहूँ की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है।

सीएटीसी-95 शिविर में कैडेट्स को अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

6 म.प्र. बटालियन एनसीसी बालाघाट द्वारा आयोजित दस दिवसीय 95वां संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-95) का शुभारंभ बुधवार को गोंगलई में किया गया।

कैम्प कमाण्डेन्ट लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता ने ओपनिंग एड्रेस में कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि सभी कैडेट्स एकता और अनुशासन के सिद्धांतों का पालन करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि कैडेट्स को अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर भविष्य निर्माण हेतु अथक परिश्रम करना चाहिए। उन्होंने बताया कि एनसीसी प्रशिक्षण शिविर कैडेट्स के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जिम्मेदार और होनहार नागरिक तैयार करता है। शिविर के उद्देश्यों को सफल बनाने के लिए अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, चरित्र निर्माण एवं मानवीय मूल्यों के साथ कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया। शिविर के दौरान कैडेट्स को ड्रिल अभ्यास कराया गया तथा फायरिंग में जाने वाले कैडेट्स को प्रारंभिक शस्त्र प्रशिक्षण एवं आवश्यक जानकारी दी गई। वहीं संगीत में रुचि रखने वाले कैडेट्स को गिटार प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

उल्टी-दस्त और वायरल फीवर के मामलों में वृद्धि; डॉक्टर बोले- धूप और गर्मी से बचें

बालाघाट में 37 डिग्री पहुंचा पारा, अस्पतालों में बढ़े मरीज

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले में शुक्रवार को तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने के साथ ही तेज गर्मी और लू का प्रकोप बढ़ गया है। चिलचिलाती धूप और मौसम में आए इस बदलाव के कारण जिला अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

सड़कों पर सन्नाटा, लोगों ने बदली दिनचर्या

जिले में दिन और रात के तापमान में लगातार हो रही वृद्धि ने सामान्य जनजीवन को प्रभावित किया है। मई की भीषण गर्मी के चलते लोग दोपहर के समय घरों में रहने को मजबूर हैं, जिससे व्यस्त सड़कों पर आवाजाही कम हो गई है।

सर्दी-खांसी और डायरिया का बढ़ा प्रकोप: अस्पताल पहुंचने वाले अधिकांश मरीज सर्दी-खांसी, उल्टी-दस्त, वायरल फीवर और डायरिया से पीड़ित पाए जा रहे हैं। डॉ. जैन ने बताया कि कम रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग मौसम के इस उतार-चढ़ाव की चपेट में जल्दी आ रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग की सावधानी बरतने की सलाह

बढ़ती बीमारियों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को धूप और लू से बचने के निर्देश दिए हैं। डॉक्टरों ने पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करने और स्वास्थ्य बिगड़ने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल में संपर्क करने की सलाह दी है।

बैक्टीरिया और वायरस हुए सक्रिय

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने बताया कि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर शरीर के मेटाबॉलिज्म पर पड़ रहा है। वर्तमान मौसम में तापमान बढ़ने से वायरस और बैक्टीरिया अधिक सक्रिय हो गए हैं, जो बीमारियों का मुख्य कारण बन रहे हैं।

कलेक्टर ने की स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास संबंधी कार्यों की समीक्षा

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

कलेक्टर मृणाल मीना 08 मई को स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर स्वास्थ्य तथा बच्चों व महिलाओं से जुडी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने दोनो विभागों के अधिकारियों को विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ भी उपस्थित थे।

टीकाकरण कार्य की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी गर्भवती माताओं एवं बचे चों का नियमित रूप से शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने टीकाकरण के लिए ब्लॉक स्तर पर टास्क फोर्स समिति की नियमित रूप से बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये।

गर्भवती माताओं के सुरक्षित प्रसव पर लापरवाही न बरते

बैठक में सर्वप्रथम स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। गर्भवती माताओं के एएनसी पंजीयन की समीक्षा के दौरान पाया गया कि विकासखंड बैहर की प्रगति संतोषजनक नही है। बीएमओ लामता एवं लालबर्रा के अंतर्गत एनीमिया से ग्रसित गर्भवती माताओं का चिन्‍ हांकन लक्ष य के अनुरूप नही हो रहा है। कलेक टर श्री मीना ने सभी गर्भवती माताओं का अनमोल पोर्टल पर पंजीयन करने एवं उनकी नियमित एएनसी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्‍ होंने कहा कि कोई भी गर्भवती माता अनमोल पोर्टल पर पंजीयन से नही छुटना चाहिए। कुल पंजीकृत गर्भवती माताओं में 25 प्रतिशत एनीमिक पायी जाती है, ऐसी गर्भवती माताओं के सुरक्षित प्रसव का उचित प्रबंध सुनिश्चित किया जाए।

बाघराज में सिस्टम हुआ सरेंडर

गेहूं खरीदी केंद्रों पर किसानों का खून-पसीना एक, चढ़ावा देने वालों का अनाज पहले तुल रहा!

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

प्रदेश में सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच की खाई कितनी गहरी है, इसकी जीती-जागती तस्वीर बाघराज के गेहूं खरीदी केंद्र से सामने आई है। नरेला केंद्र की अव्यवस्थाओं की गूंज अभी शांत भी नहीं हुई थी कि अब बाघराज केंद्र ने प्रशासन के तमाम इंतजामों की पोल खोलकर रख दी है। यहाँ अन्नदाता कहलाने वाला किसान अपनी ही मेहनत की फसल बेचने के लिए अपराधी की तरह कतारों में खड़ा अपनी बारी का इंतजार कर रहा है, जबकि भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का दीमक पूरी व्यवस्था को खोखला कर रहा है।

बाघराज खरीदी केंद्र के बाहर का नजारा देखकर कलेजा मुंह को आता है। यहाँ लगभग एक किलोमीटर लंबी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतार लगी हुई है। किसान तीन से चार दिनों से खुले आसमान के नीचे अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। पारा 40 डिग्री के पार है, चिलचिलाती धूप में किसानों के पास न तो बैठने के लिए छांव है और न ही गले को तर करने के लिए पीने का पानी। किसान अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के नीचे या तिरपाल की ओट में खाना खाने और सोने को मजबूर हैं। पसीना बहाकर फसल उगाने वाला किसान अब उसे बेचने के लिए अपना खून-पसीना एक कर रहा है।

चढ़ावा और सेटिंग का खेल, गंभीर आरोप

अव्यवस्था तो सिर्फ एक पहलू है, किसानों ने जो आरोप लगाए हैं वो व्यवस्था पर कालिख पोतने के समान हैं। केंद्र पर मौजूद किसानों का सीधा आरोप है कि खरीदी केंद्र प्रभारी सेटिंग का खेल खेल रहे हैं। किसानों का कहना है कि जो किसान पैसे दे रहे हैं या केंद्र प्रभारी की चढ़ोत्तरी (रिश्वत) की मांग पूरी कर रहे हैं, उनके ट्रैक्टर पीछे से आकर भी पहले तौल लिए जाते हैं। वहीं, जो गरीब किसान ईमानदारी से अपनी बारी का इंतजार कर रहा है, उसे कई दिनों तक कतार में ही सड़ने के लिए छोड़ दिया जाता है। भ्रष्टाचार का यह खुला खेल शासन की पारदर्शिता के दावों को मुंह चिढ़ा रहा है।

नरेला के बाद अब बाघराज में व्यवस्थाएं ध्वस्त; 1 किमी लंबी ट्रैक्टरों की कतार, चिलचिलाती धूप में अन्नदाता बेहाल, भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरा केंद्र प्रभारी

सड़क में लगी ट्रेक्टर ट्राली की लंबी कतार : लंबे इंतजार के बाद भी सड़क में बैठा अन्नदाता।

मौसम की मार और इंतजामों की कमी

एक तरफ प्रशासन कहता है कि हम मानसून से पहले खरीदी पूरी कर लेंगे, लेकिन बाघराज की हकीकत यह है कि यहाँ फसल को ढंकने के लिए पर्याप्त तिरपाल तक मौजूद नहीं है। जैसे ही आसमान में बादल छाते हैं या मौसम बिगड़ता है, केंद्र प्रभारी खरीदी बंद कर देते हैं। इसका खामियाजा उस किसान को भुगतना पड़ता है जो अपनी फसल को भीगने से बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। केंद्र प्रभारी भीकम सनोडिया जहां एक ओर सभी इंतजामों के पुख्ता होने का दम भर रहे हैं, वहीं धरातल पर न पानी है, न बारदाना और न ही सुरक्षा के इंतजाम।

नेहा मीणा
कलेक्टर सिवनी।

दिनेश राय
विधायक सिवनी।

भारती पारधी
सांसद बालाघाट-सिवनी।

भीकम सनोडिया, खरीदी केंद्र प्रभारी : मौषम बिगाड़ा तो किसान नंगा, बाकि सब चंगा।

जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवाल

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिला कलेक्टर नेहा मीणा, स्थानीय विधायक दिनेश राय और सांसद भारती पारधी के संज्ञान में मामला होने के बावजूद धरातल पर कोई ठोस सुधार नजर नहीं आ रहा है। किसान अब सीधे तौर पर जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। क्या प्रशासन को इन लंबी लाइनों और किसानों की सिसकियाँ सुनाई नहीं दे रही हैं? क्या दोषियों पर कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। 'राष्ट्रबाण' से चर्चा करते हुए विधायक दिनेश राय ने बताया की किसानो से शिकायते मिल रही है, अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया है। मेरे द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। बाघराज की ये तस्वीरें दिल दहला देने वाली है। ये तस्वीरें उस पूरे तंत्र की विफलता की कहानी बयां कर रही हैं जो किसानों की बदहाल स्थिति को उजागर करती है। शासन और प्रशासन के दावे पूरी तरह फेल साबित होते है। अगर जल्द ही केंद्र प्रभारी के भ्रष्टाचार की जांच नहीं हुई और व्यवस्थाओं को सुधारा नहीं गया, तो किसानों का गुस्सा सड़कों पर फूट सकता है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन एसी कमरों से बाहर निकलकर इन किसानों के आंसू पोंछने कब पहुंचता है और दोषियों पर क्या एक्शन लिया जाता है।

शराब के सम्राट के आगे आबकारी विभाग पंगु

विनोद खटीक, जिला आबकारी अधिकारी : शराब ठेकेदारों की कठपुतली ?

अरुण राय, शराब ठेकेदार : गांव-गांव में अवैध शराब की नदिया बहाने को तैयार ?

प्रणय श्रीवास्तव, सहा. आबकारी अधिकारी : वैध वसूली करने में उस्ताद?

नेहा मीणा, कलेक्टर : जनता को न्याय की उम्मीद।

- शराब माफिया के हौंसले बुलंद : गांव-गांव पहुँच रही अवैध शराब की खेप
- अरुण राय और कमल मानाठाकुर के बीच 'शराब सिंडिकेट' की चर्चा तेज, क्या जाँच की आंच तक पहुँचेंगे ठेकेदार?

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

जिले में आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर गहरा प्रश्नचिह्न लग गया है। जहाँ एक ओर विभाग सुस्ती की चादर ओढ़े बैठा है, वहीं दूसरी ओर शराब ठेकेदार नियमों को ताक पर रखकर पूरे जिले को नशे की गर्त में धकेल रहे हैं। सिवनी में आबकारी विभाग पूरी तरह पंगु नजर आ रहा है, जिसका सीधा फायदा उठाकर शराब ठेकेदार पैकारी के माध्यम से गांव-गांव में अवैध शराब की आपूर्ति कर रहे हैं। हाल ही में सिवनी कोतवाली पुलिस द्वारा पकड़ी गई अवैध शराब की बड़ी खेप ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आबकारी विभाग की नाक के नीचे अवैध कारोबार का समांतर साम्राज्य चल रहा है।

विगत दिनों सिवनी कोतवाली पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए अवैध शराब की एक बड़ी खेप बरामद की थी। पुलिस की इस सफलता ने जहाँ विभाग की पीठ थपथपाई है, वहीं आबकारी विभाग की लचर और संदेहास्पद भूमिका को उजागर कर दिया है। सूत्रों की मानें तो पकड़ी गई शराब की यह खेप चर्चित नाम अरुण राय की थी, जिसे कमल मानाठाकुर को अवैध रूप से बिक्री के लिए भेजा गया था। फिलहाल यह पूरा मामला पुलिस की विवेचना के दायरे में है।

जानकारों का कहना है कि यदि पुलिस जाँच का दायरा बढ़ाती है और शराब के बैच नंबर व स्टॉक की कड़ियाँ जोड़ती है, तो यह सफेदपोश ठेकेदार बेनकाब हो सकते हैं।

पैकारी, गांव की शांति पर माफिया का प्रहार

शराब ठेकेदारों का पुराना हथियार है पैकारी। आधिकारिक दुकानों के अलावा, गांव के किराना दुकानों, ढाबों और घरों से शराब बिकवाई जा रही है। इससे न केवल शासन को राजस्व का चूना लग रहा है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध और पारिवारिक कलह का ग्राफ भी बढ़ रहा है। ठेकेदार अपनी सेल बढ़ाने के लिए अवैध माध्यमों से शराब की नदियाँ बहा रहे हैं, और आबकारी अमला दफ्तरों तक ही सीमित है। सवाल यह उठता है कि क्या आबकारी विभाग केवल लाइसेंस फीस वसूलने तक ही सीमित है? अगर पुलिस अवैध शराब पकड़ सकती है, तो विभाग का मुखबिर तंत्र और फ्लाइंग स्क्वाड कहाँ गायब है?

कलेक्टर से सख्त कार्रवाई की उम्मीद

सिवनी की जनता अब जिला प्रशासन और विशेषकर कलेक्टर से हस्तक्षेप की उम्मीद कर रही है। पुलिस की प्राथमिक जाँच में जिन नामों (अरुण राय और कमल मानाठाकुर) का जिक्र सूत्रों द्वारा किया जा रहा है, उनकी गहनता से पड़ताल होनी आवश्यक है। सिवनी में अवैध शराब का यह खेल केवल दो व्यक्तियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक गहरी साजिश है जो सिस्टम को खोखला कर रही है। यदि समय रहते इन शराब सम्राटों पर नकेल नहीं कसी गई और आबकारी विभाग की जवाबदेही तय नहीं हुई, तो जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति और अधिक बिगड़ सकती है। अब देखना यह है कि क्या पुलिस इस जाँच को अंजाम तक पहुँचाती है या माफिया का रसूख एक बार फिर भारी पड़ेगा।

महीना बंदी और रसूख का खेल?

आखिर क्यों आबकारी विभाग इन बड़े खिलाड़ियों पर हाथ डालने से कतरा रहा है? सूत्रों का दावा है कि इस सन्नाटे और सुस्ती के पीछे महीना बंदी (रिश्वत का मासिक फिक्स खेल) एक बड़ी वजह है। आरोप लग रहे हैं कि आबकारी विभाग के कुछ जिम्मेदार अधिकारियों ने शराब माफियाओं से सांठगांठ कर ली है, जिसके बदले विभाग अपनी आँखें मूंदकर बैठा है। यही कारण है कि जब पुलिस अवैध शराब पकड़ती है, तो विभाग केवल कागजी खानापूर्ति कर अपना पल्ला झाड़ लेता है।

प्रेस क्लब ऑफ सिवनी द्वारा मेधावी छात्र सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

प्रतिभाओं का हुआ उत्साहवर्धन

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली नई पीढ़ी का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से प्रेस क्लब ऑफ सिवनी (प्रेस एसोसिएशन सिवनी) द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह एवं मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय द ग्रैंड रजवाड़ा होटल में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में पत्रकार साथियों के मेधावी बच्चों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

आयोजन का शुभारंभ सुबह 09 बजे से हुआ, जहां बच्चों के लिए विशेष मनोरंजन का इंतजाम किया गया। पत्रकार परिवारों के बच्चों ने वाटर पार्क में स्विमिंग और विभिन्न खेल गतिविधियों का जमकर आनंद लिया। इसके पश्चात मुख्य कार्यक्रम का औपचारिक आरंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में एक भावुक क्षण भी आया, जब बरगी डैम में हुई दुखद घटना के मृतकों और प्रेस क्लब के दिवंगत सदस्य स्वर्गीय राकेश दुबे की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। उपस्थित जनों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश राय मुनमुन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रेरक विचार साझा किए। उन्होंने कहा, शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम और अनुशासन को अपना मूल मंत्र बनाना चाहिए। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनकी सफलता में माता-पिता और शिक्षकों के योगदान को भी सराहा। विशिष्ट अतिथि सुजीत जैन और मुख्य नगर पालिका अधिकारी विशाल मर्सकोले ने प्रेस क्लब के इस सामाजिक प्रयास की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण है और पत्रकारों के बच्चों का यह सम्मान समाज के अन्य वर्गों के लिए भी प्रेरणादायी है।

समारोह के मुख्य आकर्षण रहे वे मेधावी छात्र, जिन्होंने अपनी मेहनत से नाम रोशन किया। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में अलवीरा खान, शिवम चौरसिया, आस्था क्रीडिया, मोंटी नागफासे, आंचल मिश्रा, सत्यम ठाकुर, आलिया कौशर, आर्यव बौद्ध, रुची पाठक और वीर सिंह है। इन सभी बच्चों को शील्ड, स्कूल बैग और पेन प्रदान किए गए। साथ ही, यूपीएससी में चयनित होकर जिले का मान बढ़ाने वाली सीमा रूपेश कोहरु का विशेष सम्मान किया गया।

नियम विरुद्ध संचालित यात्री बस जब्त, परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में परिवहन विभाग द्वारा जिले में अवैध और नियम विरुद्ध चल रहे वाहनों के खिलाफ एक सघन जांच अभियान चलाया गया। इस कार्यवाही के दौरान विभाग ने नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन स्वामियों पर सख्त शिकंजा कसा है। अभियान के तहत शहर के विभिन्न मार्गों पर वाहनों की सघन चेकिंग की गई, जिसमें यात्री बसों से लेकर व्यावसायिक वाहनों तक के दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान टीम ने यात्री बस क्रमांक एमपी50पी0868 को रोककर जब दस्तावेजों की पड़ताल की, तो उसमें गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। यह बस बिना वैध परमिट, बिना बीमा और बिना फिटनेस प्रमाण पत्र के सड़कों पर दौड़ रही थी। इतना ही नहीं, बस का पिछले दो वर्षों का टैक्स भी जमा नहीं किया गया था, जिसके कारण उस पर लगभग 2.75 लाख रुपये का कर बकाया पाया गया। बस का प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र भी अमान्य था। इन गंभीर लापरवाहियों को देखते हुए विभाग ने बस को तत्काल जब्त कर कार्यालय परिसर में खड़ा करवा दिया है।

सिवनी में बारदाना-परिवहन संकट, गेहूं खरीदी प्रभावित

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

सिवनी में 15 अप्रैल से शुरू हुई समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी प्रक्रिया बारदानों की कमी और परिवहन की धीमी गति के कारण प्रभावित हो रही है। बंघराज और केवलारी क्षेत्र के कई केंद्रों पर खरीदी बंद होने से किसानों को ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। जिले में इस वर्ष गेहूं विक्रय के लिए 54,096 किसानों ने पंजीयन कराया है। प्रशासन ने 65 गोदाम स्तर और 13 समिति स्तर के केंद्रों सहित कुल 78 केंद्र बनाए हैं। अब तक 23,705 किसान अपनी उपज बेच चुके हैं, जबकि 44,274 किसानों को स्लॉट जारी किए गए हैं। नागरिक आपूर्ति निगम के अनुसार अब तक 1 लाख 43 हजार 145 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। खरीदी गई कुल उपज की राशि लगभग 370 करोड़ रुपए है, जिसमें से किसानों को अब तक 182 करोड़ 63 लाख रुपए का भुगतान किया गया है।

क्या नवागत पुलिस अधीक्षक लालचंदानी थामेंगे, कुरई थाना प्रभारी की बेलगाम भ्रष्टाचार एक्सप्रेस?

खाकी की खाल में वसूली का खेल

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

विश्व प्रसिद्ध पेंच नेशनल पार्क, जहाँ दुनिया सुकून की तलाश में आती है, आज नशे के सौदागरों और गोवंश तस्करों की सुरक्षित पनाहगाह बन चुका है। लेकिन सबसे शर्मनाक बात यह है कि यह सब किसी अंधेरी गली में नहीं, बल्कि कुरई थाना प्रभारी कृपाल टेकाम की नाक के नीचे सरेआम हो रहा है।

क्षेत्र में चर्चाओं का बाज़ार गर्म है कि कुरई पुलिस का इक़बाल खत्म हो चुका है। आरोप तीखे हैं कि क्या थाना प्रभारी की मौन सहमति इन अवैध धंधों को खाद-पानी दे रही है? सड़कों पर दौड़ते गोवंश से लदे ट्रक और घर-घर पहुंच रहा नशा चीख-चीख कर गवाही दे रहे हैं कि यहाँ कानून का डर नहीं, बल्कि महीना वसूली का बोलबाला है। जनता का कहना है कि साहब को फोन लगाना किसी कठिन तपस्या से कम नहीं है। शायद साहब की व्यस्तता अपराध रोकने में नहीं, बल्कि खास मुलाकातों और कलेक्शन में ज़्यादा है।

कुरई क्षेत्र अब होम डिलीवरी के तर्ज पर ज़हरीली शराब, गांजा और चरस का अड्डा बन गया है। आलम यह है कि तस्करों के लिए कुरई की सीमाएं ग्रीन कॉरिडोर साबित हो रही हैं। जब रक्षक ही भक्षक बनकर फाइलों के आंकड़े दुरुस्त करने में जुट जाए, तो बेजुबान मवेशियों की चीखें और बर्बाद होती युवा पीढ़ी की कराह भला किसे सुनाई देगी?

नए कप्तान से बड़ी उम्मीदें, क्या कड़ा प्रहार करेंगे एसपी लालचंदानी?

सिवनी के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी अपनी सख्त कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। अब जिले की जनता की निगाहें उनके अगले कदम पर टिकी हैं। कि क्या पुलिस अधीक्षक साहब कुरई थाना प्रभारी को अनुशासन और कर्तव्य का पाठ पढ़ाएंगे? वही जनता की मांग है कि क्या उन काली भेड़ों पर गाज गिरेगी जो खाकी की आड़ में तस्करी के साम्राज्य को संरक्षण दे रहे हैं?
अगर वर्दी की चमक वसूली के रुपयों से फीकी पड़ने लगे, तो सिस्टम को सर्जरी की दरकार होती है। अब देखना यह है कि कप्तान लालचंदानी कुरई थाने में फैली इस गंदगी को साफ करने के लिए कितनी तेजी से हंटर चलाते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433